जबलपुर (म.प्र.) में प्रथम चरण में हॉस्पिस की स्थापना हो चुकी है जहाँ पर इन डोर केयर, डे केयर तथा होम सर्विस की सुविधायें हैं। केन्सर पीड़ितों के परिजन, पीड़ितों की काऊंसलिंग बेहतर देखभाल तथा मरीज की शान्ति पूर्ण मुक्ति हेतु यहाँ आते हैं।

कई केन्सर विशेषज्ञ, शल्य चिकित्सक अन्य चिकित्सक व अलग-अलग सेवा संस्थाओं से जुड़े हुए लोग इस पुण्य सेवा कार्य में सहायता हेतु आगे आ रहे हैं तथा सेवा हेतु कटिबद्ध हैं।

विराट हॉस्पिस नामक संस्था मरीजों की नि:शुल्क सेवाओं व पारिदर्शिता के कारण प्रदेश में एक उदाहरण बन रहा है। पहला चरण संस्था ने किराये के मकान में आठ बिस्तर वाले देखभाल गृह से प्रारंभ किया तथा इसे अब 15 बिस्तरों का किया गया है। 24 घंटे नर्सिंग सुविधा उपलब्ध है।

हॉस्पिस का पूरा स्टाफ मरीजों को शारीरिक रुप से बेहतर बनाने में उत्तम विधि से संतुलित एवं चिकित्सक द्वारा निर्देशित आहार, आवश्यक दवाईयाँ, देखभाल करने में भावनात्मक सहारा, मानसिक शक्ति देने में मदद करता है। हॉस्पिस में नि:शुल्क एम्बुलेंस सुविधा, नियमित जाँच एवं पेलिऐटिव देखभाल नियमित रूप से की जाती है।

विराट हॉस्पिस का मासिक खर्च करीब 1.8 लाख रुपया है।

द्वितीय चरण :- समाज की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए द्वितीय चरण में तीन वर्ष के अंदर स्वयं का स्थान बनाने की योजना है जहाँ कम से कम 30 बेड की सुविधा हो। नर्सिंग स्टाफ के हॉस्टल की सुविधा व डॉक्टर्स के निवास की भी कैम्पस में ही सुविधा की योजना है।

तृतीय चरण :- में केन्सर अस्पताल की स्थापना। बेहतर गुणवत्ता वाले सुविधा सम्पन्न हॉस्पिस केयर की मध्य भारत के अन्य शहरों में भी शाखाओं की स्थापना की योजना है जहाँ पर रेडियो थैरेपी यूनिट, कीमो थैरेपी यूनिट और केन्सर की रोकथाम व उचित देखभाल हेतु बेहतर सुविधा संभव हो सके।

VIRAT* Hospice

ब्रह्मर्षि मिशन समिति

26, दीक्षित एन्क्लेव कटंगा - रामपुर तिराहा, जबलपुर
फोन: 0761 2660960
ईमेल: virathospice@gmail.com

+91 94258 01531
jaiviratjabalpur@gmail.com

+91 94251 68684
gumashta.akhilesh@ gmail.com

All the Donations are exhempted under IT Section 80-G

VIRAT* Hospice

a home with
heart & hope

ब्रह्मर्षि विश्वात्मा बावरा जी महाराज

* Vishwatma Institute of Rehabilitation and Treatment

असंक्रामक बीमारियों में केन्सर भारतीय जनता के बीच विकराल स्वास्थ्य समस्या बनकर उभर रहा है। ये बीमारियाँ जीवन शैली से संबंधित हैं। इनके इलाज व देखभाल के लिए लम्बे समय तक विशेष आधारभूत ढाँचा एवं मानव संसाधन की आवश्यकता है।

भारत में इस तरह की बीमारियों का बोझ बढ़ रहा है। प्रत्येक वर्ष 5,50000 व्यक्तियों की केन्सर से मृत्यु हो रही है। इस बीमारी की गंभीरता सांख्यकीय आँकड़ों से समझी जा सकती है जिसके अनुसार किसी भी समय पर केन्सर पीड़ितों की संख्या लगभग 2.25 करोड़ रहती है।

लखनऊ मेडिकल कॉलेज में हुए एक शोध कार्य के अनुसार केन्सर पीड़ितों को जिस विशेषज्ञता व चिकित्सकों के ज्ञान व अनुभव की उपचार हेतु आवश्यकता है वह आवश्यकता व आशा के अनुरूप नहीं है।

वर्तमान मेडिकल पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान एवं शिक्षण प्रक्रिया में मरीज के जीवन के आखिरी पडाव पर आवश्यक देख भाल व सेवा से संबंधित बिन्दु शामिल नहीं हैं। पश्चिमी देशों में मरीज के जीवन की सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित एवं विशिष्ट सुविधाओं का प्रावधान है। भारत में इस प्रकार की सुविधाओं का अभाव है। देख रेख की उचित क्षमता की भारत में तत्काल आवश्यकता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष में मध्य भारत में हॉस्पिस केयर की स्थापना का विचार एवं आवश्यकता अनुभव हुई।

Dedicated Specialist Team